Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

व्यावसाय अध्ययन

व्यावसायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार - 2

अध्याय - 8 : व्यावसायिक वित्त के स्त्रोत

भाग – 10

वित्त के स्त्रोत
(ऋणपत्रों का अर्थ, प्रकार, गुण एवं सीमाएँ)

रूचिका सैनी

Under CSR Support by ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1. व्यावसायिक वित्त का अर्थ, प्रकृति एवं महत्व
2. वित्त/धन के स्त्रोतों का वर्गीकरण
3. वित्त के स्त्रोत
4. कोषों के स्त्रोत के चयन को प्रभावित करने वाले तत्व

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



ऋण पत्र (Debentures)

- दीर्घ अवधि ऋणगत पूँजी जुटाने का साधन
- निश्चित ब्याज दर पर, कंपनी द्वारा जारी वचन पत्र
- निवेशक लेनदार होते हैं, साख निर्धारण एजेंसियों से ग्रेडिंग आवश्यक

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ऋणपत्रों के प्रकार

1. **सुरक्षित एवं असुरक्षित :**

सुरक्षित ऋणपत्र वे होते हैं जो कंपनी की परिसंपत्तियों को बंधक रखकर, उन पर ऋण भार डालते हैं।

असुरक्षित ऋणपत्र कंपनी की परिसंपत्तियों पर न तो कोई ऋण भार होता है और न ही वह प्रतिभूति होती है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2. पंजीकृत एवं वाहक :

(a) पंजीकृत ऋणपत्र वे होते हैं जिनका कंपनी के रजिस्ट्रार में लेखा-जोखा होता है। केवल नियमित हस्तांतरण विलेख द्वारा ही हस्तांतरित किया जा सकता है।

(b) वाहक ऋणपत्र सुपुर्दगी मात्र से हस्तांतरण हो सकते हैं, उन्हें वाहक ऋणपत्र कहते हैं।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. परिवर्तनीय एवं अपरिवर्तनीय :

a) परिवर्तनीय ऋणपत्र वह ऋणपत्र होते हैं जिन्हें एक निर्धारित अवधि की समाप्ति पर समता अंशों में परिवर्तित किया जा सकता है।

b) अपरिवर्तनीय ऋणपत्र वे होते हैं जिन्हें समता अंशों में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।

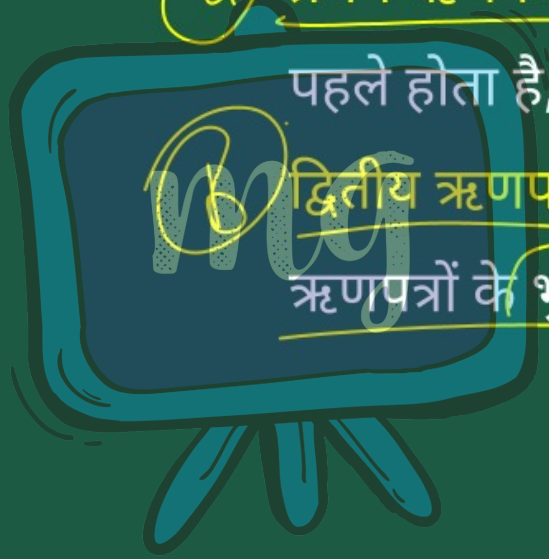
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4. प्रथम एवं द्वितीय :

a) प्रथम ऋणपत्रों का भुगतान दूसरे ऋणपत्रों से पहले होता है, उन्हें प्रथम ऋणपत्र कहते हैं।

b) द्वितीय ऋणपत्र वे होते हैं जिनका भुगतान प्रथम ऋणपत्रों के भुगतान के पश्चात् किया जाता है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1. कम जोखिम, स्थिर आय
2. लाभ में भागीदारी नहीं, स्थिर भार
3. स्थिर बिक्री, आय में उपयुक्त
4. मताधिकार नहीं / प्रबंध नियंत्रण बरकरार
5. कर लाभ के कारण लागत कम

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

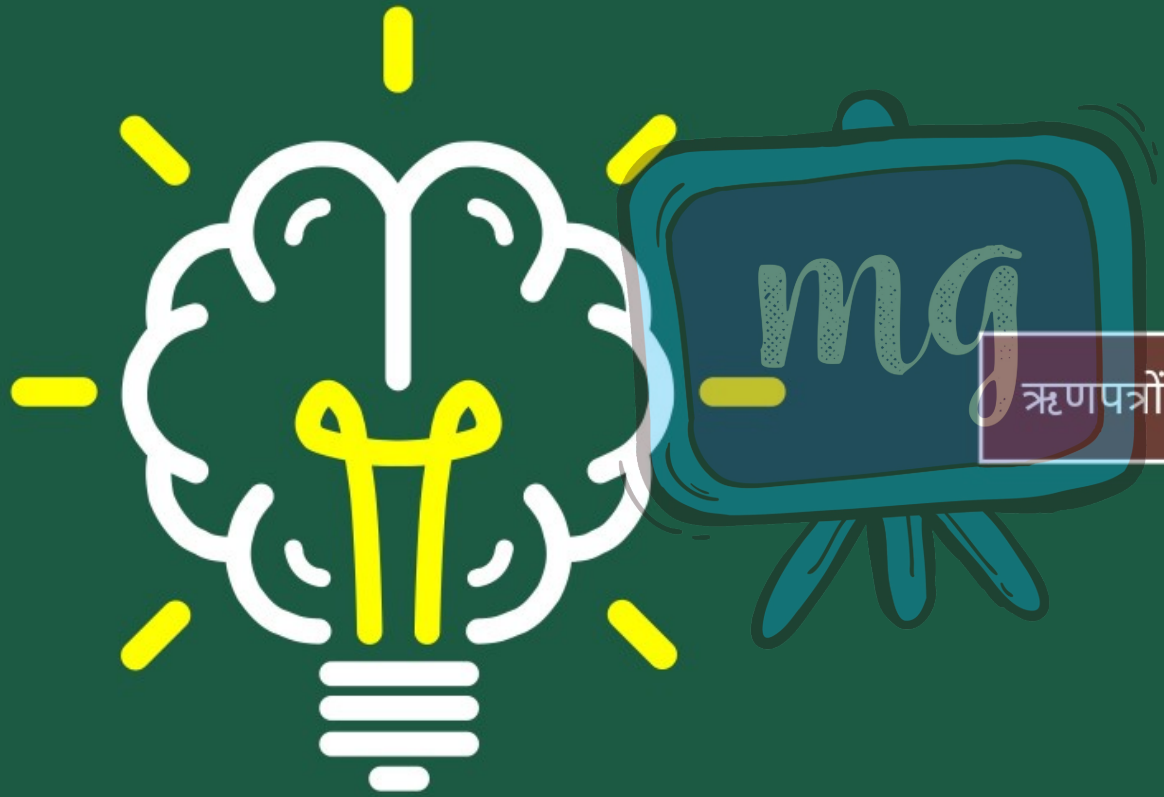


1. आय घटने पर भी भार बना रहना
2. शोध्य होने पर तय तिथि तक भुगतान अनिवार्य
3. ऋण सीमा प्रभावित, भविष्य में ऋण लेना कठिन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- ऋणपत्रों का अर्थ, प्रकार, गुण एवं सीमाएँ

Under CSR Support by ipca Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1 निश्चित ब्याज दर प्राप्त होती है–

अ पूर्वाधिकारी अंश

ब समता अंश

(लाभांश)

स ऋणपत्र (स)

द इनमें से कोई नहीं

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2 ऐसे ऋणपत्र जो कंपनी की परिसंपत्तियों को बंधक रख उन पर ऋणभार डालते है।

अ असुरक्षित ऋणपत्र

ब पंजीकृत ऋणपत्र

स सुरक्षित ऋणपत्र (स)

द वाहक ऋणपत्र

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



3 ऐसे ऋणपत्र जिन्हें निर्धारित अवधि बाद समता अंशों में परिवर्तित किया जा सकता है।

अ द्वितीय ऋणपत्र

ब परिवर्तनीय ऋणपत्र (ब)

स प्रथम ऋणपत्र

द सुरक्षित ऋणपत्र